खंड १२ संख्या ५

बिहार विधान सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि २७ मार्च, १९५७।

विषय-सूची

	पृष्ठ
अतारांकित प्रश्नोत्तर	१—३१८
अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर	३१९—३२१
तारांकित प्रश्नोत्तर	३२१—३३७
विधान कार्य : सरकारी विधेयक :	
बिहार लोकल सेल्फ-गवर्नमेन्ट एन्ड सेस (अमेंडमेंट) बिल, १९५७ (१९५७ की वि० सं० ४)—(स्वीकृत)।	३३८—३४१

*जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के पहले ऐसा (*) चिन्ह लगा दिया गया है।

Vol. XII **No. 5**

THE BIHAR LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES.

Wednesday, the 27th March, 1957.

CONTENTS.

	PAGES.
Unstarred Questions and Answers	1—318
Short Notice Questions and Answers	319—321
Starred Questions and Answers	321—337
Legislative Business : Official Bill :	
The Bihar Local Self-Government and Cess (Amendment) Bill, 1957 (Bill No. 4 of 1957)—[*Passed*].	338—341

*An asterisk (*) has been affixed against the names of those Ministers and Members who have not corrected their speeches.

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) डा० रामचन्द्र शरण, होमियोपैथ, एक राज का मकान किराये पर लेकर गांव में प्राइवेट प्रैक्टिस शुरू किए हैं।

(२) स्थानीय तहकीकात से यह मालूम होता है कि आसपास के ग्रामों के लोग उनके पास राय और इलाज के लिये आते हैं और उनमें से कुछ वहां ठहर जाते हैं। पूरा विवरण प्राप्त नहीं हो सका है। चूंकि डा० साहब ने तहकीकात के एक महीने पहले ही उस गांव को छोड़ दिया था और तहकीकात के समय भी उपस्थित नहीं थे।

(३) उस मकान के क्षेत्र में कुआं नहीं है और जनता हाई स्कूल के ट्यूब-वेल से पीने का पानी लेती है।

(४) उस मकान के क्षेत्र में एक ट्यूब-वेल है जो ठीक नहीं है और उससे कीचड़ मिला हुआ पानी निकलता है।

(५) चूंकि डा० रामचन्द्र शरण का अस्पताल निजी है और वह स्वीकृत नहीं है अतः वहां पर कुएं का प्रबन्ध करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

आवेदन-पत्र पर कार्रवाई।

२१८। श्री मुंद्रिका सिंह—क्या मंत्री, विकास (कृषि) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि श्री जयनारायण सिंह, बख्तियारपुर को हरनौत तथा बख्तियारपुर थाने के किसानों को नियंत्रित दर पर कोयला बिक्री करने के लिए कृषि विभाग द्वारा १९५३, १९५४ और १९५५ में कुल ४० गाड़ी वजन करीब २० हजार मन का परमिट दिया गया था;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त श्री जयनारायण सिंह अपने कोयले का लाइसेन्स २१ मार्च १९५३ को ही आवेदन-पत्र द्वारा बाढ़ एस० डी० ओ० के हवाले कर चुके थे, तथा एस० डी० ओ०, बाढ़ ने उनके स्थान पर श्री चन्द्रशेखर सिंह, सा० महम्मदपुर (बख्तियारपुर) को मनोनीत एजेंट बनाकर कोटे का माल उठाने का अधिकार प्रदान किया था;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त श्री जयनारायण सिंह ने २१ मार्च १९५३ से ही बिना लाइसेंस रहते हुए उपरोक्त कोयले को परमिट से प्राप्त कर मनमानी दर पर चोर बाजार में बिक्री कर दिया;

(४) क्या यह बात सही है कि उक्त घटना के विरोध में श्री राम लखन सिंह, कार्यकारी सभापति, बिहार लाइट रेलवे कर्मचारी संघ तथा जिला युवक कांग्रेस के संयोजक ने दरखास्त द्वारा एस० डी० ओ०, बाढ़ का तथा जिला मजिस्ट्रेट आदि उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया था और आवेदन-पत्र तिथि ३० जनवरी १९५६ को एस० डी० ओ० के नाम से भेजा गया था;

(५) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त आवेदन-पत्र पर अबतक कौन-सी कार्रवाई की गई है, यदि नहीं, तो क्यों?

श्री बीरचन्द पटेल—(१) १९५३, १९५४ एवं १९५५ में हरनौत तथा बख्तियारपुर

थाने के लिए श्री जयनारायण सिंह को नहीं, स्टार कोल कंपनी, कदमकुआं, पटना को ५२ वैगन कोयले का परमिट दिया गया। स्टार कोल कंपनी के एजेंट की हैसियत से श्री जयनारायण सिंह ने ४१ वैगन कोयला प्राप्त किया।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) जैसा कि खंड (१) के उत्तर में कहा गया है श्री जयनारायण सिंह ने स्टार कोल कंपनी के एजेंट की हैसियत से कोयला प्राप्त किया। चोर बाजार में बिक्री करने की बात के संबंध में जरूरी छानबीन की जा रही है।

(४) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(५) मामले की जांच-पड़ताल चल रही है जिसके बाद जरूरी कार्रवाई की जायगी।

ये हैं गत सप्तम (फरवरी-अप्रील, १९५५) सत्र में पूछे गये १०६ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर। शेष प्रश्नों के उत्तर संबंधित विभागों से उपलब्ध होने पर प्राप्य कराये जायंगे।

सूची।

क्रम संख्या।	सदस्य।	प्रश्न संख्या।
१	श्री कर्पूरी ठाकुर	५११, ५२२, ५३०, ५७७, ५९२, ५९९।
२	श्री रघुनन्दन प्रसाद	५१२, ५१६
३	श्री भोला नाथ भगत	५१३, ५५२
४	श्री एस० के० बागे	५१४
५	श्री शिवभजन सिंह	५१५, ५३१, ५६२, ५६३, ५६४, ५६८, ५८०, ५८१, ५९०, ६०४।
६	श्री सुखलाल सिंह	५१७, ५२३, ५८९
७	श्री कैलाश प्रसाद	५१८, ५१९
८	श्री दामोदर झा	५२०, ५२५, ६१५, ६१६
९	श्री जगन्नाथ प्रसाद 'स्वतंत्र'	५२१, ५३३, ५७५

क्रम संख्या।	सदस्य।			प्रश्न संख्या।
१०	श्री कमलदेव नारायण सिंह	..	..	५२४, ६०५
११	श्री राजाराम आर्य	..	..	५२६
१२	श्री नवलकिशोर सिंह	..	..	५२७
१३	श्री बाबूलाल टुडू ..	..	..	५२८
१४	श्री पुण्यानन्द झा ..	..	..	५२९
१५	श्री दारोगा प्रसाद राय	..	..	५३२, ५३५
१६	श्री पशुपति सिंह ..	..	..	५३४, ५४५
१७	श्री रामानन्द तिवारी	..	..	५३६, ५४४, ५४५, ५४९
१८	श्री राधा पाण्डेय ..	..	..	५३७, ६००
१९	श्री मंजूर अहमद ..	..	..	५३८, ६१४
२०	श्री विन्देश्वरी प्रसाद मंडल	..	..	५३९
२१	श्री लक्ष्मी कान्त तिवारी	..	..	५४०
२२	श्री रामचन्द्र राय ..	..	..	५४१, ५५८
२३	श्री पुरुषोत्तम चौहान	..	..	५४२
२४	श्री रामचरण सिंह ..	..	..	५४३
२५	श्री राधा मोहन राय	..	..	५४७
२६	श्री रामेश्वर मांझी ..	..	..	५४८
२७	श्री विन्देश्वरी दूबे ..	..	..	५५०
२८	श्री शिवमहादेव प्रसाद	..	..	५५१
२९	श्री राम अयोध्या प्रसाद	..	..	५५३, ६१०
३०	श्री राधा कान्त चौधरी	..	..	५५४
३१	श्री सुखदेव मांझी ..	..	..	५५५, ५६६, ५७०, ५९५, ६१३।
३२	श्री विलियम हेम्ब्रम..	..	..	५५६
३३	श्री अतुलचन्द्र सिंह भुइया	..	..	५५७, ६१२
३४	श्री लुकस मुंडा ..	..	..	५५९
३५	श्री बैजनाथ सिंह ..	..	..	५६०
३६	श्री राम नरेश सिंह..	..	..	५६१

क्रम संख्या।	सदस्य।	प्रश्न संख्या।
३७	श्री सुपाई मुर्मू	५६५, ५९३
३८	श्री पुनीत राय	५६७,५८२,५८८
३९	श्री शरत दास	५६९
४०	श्री कमला राय	५७१
४१	श्री दुलारचन्द राम	५७२
४२	श्री शिवनन्दन राम	५७३
४३	श्री भगवती प्रसाद सिंह	५७४
४४	श्री देवधारी चमार	५७६
४५	श्री शिवकुमार पाठक	५७८, ६०८
४६	श्री सुन्दर महतो	५७९
४७	श्री शक्ति कुमार	५८३,५८४,५८५,५८६
४८	श्री रामानन्द यादव	५८७
४९	श्री जगदीश शर्मा	५९१
५०	श्री ब्रज बिहारी शर्मा	५९४
५१	श्री कपिलदेव नारायण सिंह	५९६
५२	श्री चेतू राम	५९७
५३	श्री जितू राम	५९८
५४	श्री लक्ष्मी नारायण सिंह	६०१
५५	श्री गिरवरधारी सिंह	६०२
५६	श्री वशिष्ठ नारायण सिंह	६०३
५७	श्री महावीर राउत	६०६
५८	श्री हृदय नारायण चौधरी	६०७
५९	श्री जगलाल महतो	६०९
६०	श्री वलिया भगत	६११

कुल .. १०६ प्रश्न।